राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

MASTER OF ARTS in CLASSICAL DANCE KATHAK

Previous Year - PRIVATE

2026-27

No	Subject Nature	Total Mark%	Min Mark%
1.	**A. CORE SUBJECT** **Kathak Theory Core 1** (History and development of Indian dance) 1. - C1-MDK-101 (Essay composition rhythmic pattern and principal of practical) 2. C1-MDK--102	100 100	36% 36%
2.	**Technical Course Practical Core 2** 3. Demonstration & Viva – C2-MDK-101 4. Stage Performance - C2-MDK-102	100 100	36% 36%

एम.ए. स्वाध्यायी विद्यार्थियों हेतु पाठ्यक्रम

प्रथम प्रश्न पत्र

प्रथम वर्ष

कथक नृत्य का इतिहास एवं विकास

(History and development of Indian dance)

विषय – कथक नृत्य

समय :– 3 घण्टें पूर्णांक : 100

इकाई–1

1. भारत में नृत्य की उत्पत्ति और विकास।
2. भारत में लोकनृत्यों का उद्भव, विकास तथा भारतीय सामाजिक जीवन से उनका संबंध।

इकाई–2

1. नाट्य शास्त्र के अनुसार 'रस की व्याख्या' एवं उसके प्रकारों का विशद अध्ययन।
2. देवदासी प्रथा का इतिहास एवं भारतीय नृत्यों के विकास में उसका योगदान।

इकाई–3

1. अभिनय दर्पण में वर्णित देव हस्तों का श्लोक सहित अध्ययन।
2. लोकधर्मी, नाट्यधर्मी एवं पूर्वरंग का विस्तृत अध्ययन।

इकाई–4

1. लखनऊ के नवाब वाजिद अली शाह एवं रायगढ़ के राजा चक्रधर सिंह के कार्यकालों का विशेश उल्लेख करते हुए मुस्लिम एवं हिन्दू राजाओं के दरवारों में कथक नृत्य का उद्धार एवं पुनर्विकास।
2. निम्नलिखित विषयों का अध्ययन :–(अ) कथक नृत्य की वेषभूषा का प्राचीन और आधुनिक स्वरूप।(ब) कथक में सह कलाकारों की भूमिका। (स) कथक का काव्य पक्ष।

इकाई–5

1. डेढ़ गुन, सवागुन एवं पौनगुन का विस्तृत अध्ययन।

Chaubey 22/4/26 22/4/2026 22-4-2026 Vijay Sharma 22/04/26 Singh 22/04/26 22/04/26

एम.ए. स्वाध्यायी विद्यार्थियों हेतु पाठ्यक्रम

द्वितीय प्रश्नपत्र

निबंध संरचना, लयकारों, एवं प्रयोगात्मक सिंद्धात

(Essay composition rhythmic pattern and principal of practical)

समय :– 3 घण्टें

पूर्णांक : 100

इकाई–1.

1. ताल के दस प्राण का विस्तृत अध्ययन।
2. कथक प्रशिक्षण की गुरू शिष्य परम्परा एवं शिक्षण पद्धति।

इकाई–2

1. बैले (नृत्य नाटिका) का उद्भव एवं विकास तथा कथक नृत्य में उसका योगदान।
2. आचार्य भरत के नाट्य शास्त्र के अनुसार करण एवं अंगहार का अध्ययन।

इकाई–3

1. निम्नलिखित नृत्य गुरूओं की जीवनियां एवं कथक नृत्य में उनका योगदान– स्व. पं. सुंदर प्रसाद, स्व. जानकी प्रसाद, स्व. पं. कार्तिक राम।
2. पं. बिरजू महाराज की जीवनी एवं कथक को समृद्ध एवं लोकप्रिय बनाने के लिए उनके द्वारा किए गए प्रयास।

इकाई–4

1. प्रायोगिक पाठ्यक्रम में उल्लेखित तालो में तोड़े, परन आदि लिपिबद्ध करने का अभ्यास।
2. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित अभिनय दर्पण के अनुसार देवहस्तो का विस्तृत अध्ययन।

इकाई–5

1. नीचे दिए गए कथानकों में निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर नृत्य संरचना करने की क्षमता
   कथानक :–
   (अ) पंचवटी(शूर्पनखा मानभंग)
   (ब) मोहिनी भस्मासुर
   (स) अभिसारिका नायिका

   बिन्दु :–संक्षिप्त कथावस्तु' रंगमंच व्यवस्था, पात्र चयन, वेशभूषा एवं रूपसज्जा, पार्श्व संगीत।
   मंच प्रदर्शन– राष्ट्रीय उच्चस्तरीय
   वायवा

22/04/26 22/4/26 22/4/2026 22-4-2026 Vijay Sharma 22/04/26 22/04/26

पूर्णांकः—100

प्रायोगिक —1

इकाई—1

1. निम्नलिखित में से किन्ही दो देवताओं की वंदना से संबधित श्लोक पर भाव प्रदर्शनः— शिव वंदना, कृष्ण वंदना एवं सरस्वती वंदना।
2. तात त्रिताल में निम्नलिखित नृत्य प्रदर्शन की क्षमता :—
   तिस्त्र एवं मिश्र जाति की परन, दर्जा, नवहक्का, फरमाइशी परन, गणेशपरन, शिव तांडव परन, विभिन्न प्रकार की कवित्त, अतीत, अनागत के तोड़े, परन, प्रिमलू एवं तिहाईया।

इकाई—2

1. रायगढ़ के राजा चक्रधर सिंह द्वारा रचित किन्ही दो छन्दो की प्रस्तुति।
2. घुघंट एवं मुरली के विविध प्रकारों का प्रदर्शन।

इकाई—3

1 बोल जाति के साथ विविध प्रकार के ततकार एवं लयवांट का विशिष्ट प्रवेश समझाइए।

2 निम्नलिखित तालो में से किन्हीं दो पर निम्नानुसार नृत्य प्रदर्शन :—
शिखर , अष्टमंगल, पंचम सवारी थाट, एक आमद, दो परन, तीन तोड़े, दो चक्करदार तोड़े और परन, दो कवित्त एवं तिहाईयां आदि।

इकाई—4

1 पांच जातियों में तोड़े या परन प्रस्तुत करने की क्षमता।

2 निम्नलिखित रचनाओं में नृत्य प्रदर्शन :— चतुरंग एवं ध्रुपद।

इकाई—5

1 ठुमरी, भजन एवं गजल पर भाव प्रदर्शन।

2 निम्नलिखित गतभावों का प्रदर्शन :— सीता स्वंयवर, मोहिनी भस्मासुर।

प्रायोगिक– 2 (मंच प्रद र्न)

(Stage Performance)

आंमत्रित दर्शकों के समक्ष उच्चस्तरीय नृत्य प्रदर्शन की क्षमता।

आव यक निर्देश :– आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखे गए रागो की स्वर लिपि/तोड़ो का विवरण
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिर्पोट

संदर्भित पुस्तके :–

1. भरतमुनि नाट्यशास्त्र द्वितीय एवं चतुर्थ भाग (वल्लभ त्रिपाठी)
2. कथक दर्पण (स्व. श्री तीरथ राम आजाद)
3. रायगढ़ में कथक (श्री कार्तिक राम)
4. कथक नृत्य शिक्षा भाग दो (डॉ. पुरू दधीच)
5. कथक कल्पद्रुम (डॉ. चेतना ज्योतिषी व्यौहार)
6. कथक के संदर्भ में नर्तन भेद (डॉ. भगवान दास माणिक)
7. कथक नृत्य का मंदिरों से संबंध ''जयपुर घराने के विशेष संदर्भ में''(डॉ. अंजना झा)

22/04/26 22/4/26 22/4/2026 22-4-2026 Vijay Sharma 22/04/26 22/04/26

राज़ा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

MASTER OF ARTS in CLASSICAL DANCE KATHAK

Final Year - PRIVATE

2026-27

No	Subject Nature	Total Mark%	Min Mark%
1.	**B. CORE SUBJECT** **Kathak Theory Core 1** (History and development of Indian dance) 1. - C1-MDK-101 (Essay composition rhythmic pattern and principal of practical) 2. C1-MDK-102	100 100	36% 36%
2.	**Technical Course Practical Core 2** 3. Demonstration & Viva – C2-MDK-101 4. Stage Performance - C2-MDK-102	100 100	36% 36%

एम.ए. स्वाध्यायी विद्यार्थियों हेतु पाठ्यक्रम

विषय – कथक नृत्य

प्रथम प्रश्न मत्र

द्वितीय वर्ष

कथक नृत्य का इतिहास एवं विकास

(History and development of Indian dance)

समय :– 3 घण्टें | पूर्णांक : 100

इकाई–1

1. कथक नृत्य का क्रमिक विकास।
2. कथक नृत्य प्रदर्शन के वस्तुक्रम का विस्तृत अध्ययन।

इकाई–2

1 अभिनय की परिभाषा एवं उसके प्रकारों का विस्तृत अध्ययन।

2 रासलीला का विस्तृत अध्ययन एवं कथक नृत्य से उसका संबंध।

इकाई–3

1 मार्गी एवं देशी नृत्य का ज्ञान।

2 नाट्य शास्त्र के आधार पर मृत्युलोक में नाट्य का प्रादुर्भाव।

इकाई–4

1 विभिन्न शास्त्रीय नृत्य शैलियों का अध्ययन।

इकाई–5

1 कथक नृत्य के निम्नलिखित सुप्रसिद्ध कलाकारों की जीवनियाँ एवं कथक नृत्य में उनके योगदान की जानकारी :– श्रीमती सितारा देवी, स्व. सुश्री दमयंती जोशी, स्व. श्रीमती रोहिणी भाटे एवं श्रीमती कुमुदिनी लाखिया।

22/04/26 22/4/26 22/4/2026 22-4-2026 Vijay Sharma 22/04/26 22/04/26

एम.ए स्वाध्यायी विद्यार्थियों हेतु पाठ्यक्रम
उत्तरार्द्ध
विषय – कथक नृत्य
द्वितीय प्रश्नपत्र

निबंध सरंचना, लयकारी, एवं प्रयोगात्मक सिद्धांत
(Essay composition rhythmic pattern and principal of practical)

समय :– 3 घण्टें | पूर्णांक : 100

इकाई–1

1. निम्नलिखित विषयों का संक्षिप्त अध्ययन :–
   पात्र लक्षण, किंकिणी लक्षण, पाद भेद एवं नृत्य हस्त।
2. करण, अंगहार, चारी एवं मंडल का अध्ययन।

इकाई–2

1 कथक नृत्य के भाव प्रदर्शन की विविधताओं का ज्ञान।
2 नायिका भेद एवं नायक भेद का सविस्तार अध्ययन।

इकाई–3

1 लय का विस्तृत अध्ययन।
2 अभिनय दर्पण के अनुसार नवग्रह हस्त, बांधव हस्त का श्लोक सहित अध्ययन।

इकाई–4

1 (अ) दिए गए बोलो का प्रयोग करते हुए आमद, तोड़े, परन एवं तिहाई आदि की रचना।
जैसे :– तत, थुं दिगदिग, धिलांग, धुमकिट, किटतक, ता, थेई इत्यादि।
(ब) प्रायोगिक पाठ्यक्रम में उल्लेखित तालों में तोड़े, परन आदि लिपिबद्ध करने की क्षमता।

इकाई–5

1 दिए गए कथानकों में निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर नृत्य नाटिका की संरचना करने की क्षमता।
कथानक :– सीता स्वयंवर, मोहिनी भस्मासुर एवं खण्डिता नायिका।

22/04/26 22/4/26 22/4/2026 22-4-2026 Vijay Sharma 22/04/26 Singh 22/04/26

बिन्दु :– संक्षिप्त कथावस्तु, रंगमंच व्यवस्था, पात्र चयन, वे भूषा, रूप सज्जा, पार्श्व संगीत, ताल एवं रस ।

प्रायोगिक –1 (वायवा / Viva)

पूर्णाक :–100

इकाई–1

1. निम्नलिखित में से किंही दो देवताओं की वंदना से संबधित श्लोक पर भाव प्रदर्शनः– शिव वंदना, कृष्ण वंदना एवं सरस्वती वंदना।

इकाई–2

1. त्रिताल में निम्नलिखित नृत्य प्रदर्शन की क्षमता :–
   तिस्त्र एवं मिश्र जाति की परन, कमाली परन, नवहक्का, फरमाइशी परन, गणेशपरन, ऋतु परन विभिन्न प्रकार की कवित्त, अतीत, अनागत के तोड़े, परन, प्रिमलू एवं तिहाईया।

इकाई–3

1 रायगढ़ के राजा चक्रधर सिंह द्वारा रचित किन्ही दो छन्दो की प्रस्तुति।

2 घुघंट एवं मुरली के विविध प्रकारों का प्रदर्शन।

इकाई–4

1 निम्नलिखित गतभावों का प्रदर्शन :– सीता हरण, अहिल्या उद्धार।

2 बोल जाति के साथ विविध प्रकार के ततकार एवं लयवांट का विशिष्ट प्रदर्शन।

इकाई–5

1 निम्नलिखित तालों में से किन्हीं दो पर निम्नानुसार नृत्य प्रदर्शन :–
   ताल बसंत, तालधमार, तालरूद्र थाट, एक आमद, दो परन, तीन तोड़े, दो चक्करदार तोड़े और परन, दो कवित्त एवं तिहाईयां आदि।

इकाई–6

1 पांच जातियों में तोड़े या परन प्रस्तुत करने की क्षमता।

22/04/26 Chaubey 22/4/26 22/4/2026 22-4-2026 Vijay Sharma 22/04/26 Singh 22/04/26

2 निम्नलिखित रचनाओं में नृत्य प्रदर्शन :– चतुरंग एवं ध्रुपद। ठुमरी, भजन एवं गजल पर भाव प्रदर्शन।

प्रायोगिक– 2 (मंच प्रदर्शन / Stage performance)

आंमत्रित दर्शकों के समक्ष उच्चस्तरीय नृत्य प्रदर्शन की क्षमता।

आवश्यक निर्देश :– आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

कक्षा में सीखे गए रागो की स्वर लिपि / तोड़ो का विवरण

1. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिर्पोट।

संदर्भित पुस्तके :–

1. भरतमुनि नाट्यशास्त्र द्वितीय एवं चतुर्थ भाग (वल्लभ त्रिपाठी)
2. कथक दर्पण (स्व. श्री तीरथ राम आजाद)
3. रायगढ़ में कथक (श्री कार्तिक राम)
4. कथक नृत्य शिक्षा भाग दो (डॉ. पुरू दधीच)
5. कथक कल्पद्रुम (डॉ. चेतना ज्योतिषी व्यौहार)
6. कथक के संदर्भ में नर्तन भेद (डॉ. भगवान दास माणिक)
7. कथक नृत्य का मंदिरों से संबंध ''जयपुर घराने के विशेष संदर्भ में''(डॉ. अंजना झा)